Email: csjmu@kanpuruniversity.org TEL: 0512-2080024

: 0512-2582251

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय

प्रेस विज्ञप्ति

कल्याणपुर, कानपूर

उत्तर प्रदेश-208024

दिनांक: 26-11-2021

आज दिनांक - 29-11-2021 को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी ने राज्य स्तरीय नैक वेबिनार का आयोजन किया। इस वेब संगोष्ठी का उद्देश्य राज्य के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में नैक की मान्यता कैसे प्राप्त करने के संदर्भ में जानकारी देना था।

इस वेबिनार के अध्यक्ष सी.एस.जे.एम.यू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक रहे। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा मोनिका एस गर्ग रहीं। इस वेबिनार में अन्य विशिष्ट वक्ताओं में डॉ प्रतिभा सिंह(उप सलाहकार, नैक, दिल्ली कार्यालय), प्रो. जे.पी. पांडे (कुलपति, एम.एम.एम. प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर), प्रो. शैलेंद्र सर्राफ (पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़) और प्रो. राजीव मनोहर (निदेशक, आई.क्यू.ए.सी., लखनऊ विश्वविद्यालय) रहे।

वेबिनार की विशिष्ट अतिथि प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा मोनिका एस गर्ग ने उद्घाटन भाषण में कहा कि यूपी में नैक की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है और एन.ए.ए.सी एस.ओ.पी. के बारे में विश्वविद्यालय और कॉलेजों को शिक्षित करने की आवश्यकता है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि अकादमिक संसथानों में अनुसंधान कार्य को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालयों में प्रशासनिक एवं वित्तीय सुधारों के लिए भी सलाह दी। भाषण के दौरान उन्होंने

कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की समयबद्ध विशेषता की प्रशंसा की। अंत में उन्होनें ने वि.वि. द्वारा विकसित नैक पोर्टल के बारे में क़ॉलेजों को शिक्षित करने का सुझाव भी दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सीएसजेएम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि यह संगोष्ठी सभी प्रतिभागियों के लिए एक विचार-मंथन सत्र है। उन्होनें कहा कि नई शिक्षा नीति 2021 सभी शिक्षा संस्थानों को समाना और बेहतर शिक्षा की अनुमति देता है। NAAC मान्यता के लिए पात्रता प्राप्त करने के लिए एवं नये कॉलेजों को सलाह देने के लिए, कॉलेजों के बीच एक तंत्र विकसित होना चाहिए। सी.एस.जे.एम.यू बेहतरी की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। इसके अलावा डेटा की कमी की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि सी.एस.जे.एम.यू ने डेटा संग्रह के लिए एक इन-हाउस सॉफ्टवेयर विकसित किया है और इसे हर कॉलेज को बिना किसी कीमत के उपलब्ध कराया जाएगा। विश्वविद्यालय 20-25 बेहतर प्रदर्शन करने वाले कॉलेजों को नैक मान्यता के लिए आवेदन करने के लिए उन्हें मेंटरशिप और वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। अंत में उन्होंने कहा कि हमें वैश्विक संदर्भ में शिक्षा के संबंध में एक लंबा रास्ता तय करना है और इसके लिए गुणवत्ता की संस्कृति को अपनाना होगा और केवल ऐसा प्रयास ही हमें भविष्य की वैश्विक मान्यता के योग्य बना सकता है।

, दिल्ली नैक, कार्यालय की उप सलाहकार डॉ. प्रतिभा सिंह, ने नैक के मान्यता प्राप्त करने के तौर-तरीकों के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति में नैक की मान्यता प्राप्त करना गुणवत्ता प्रमुख बेंचमार्क होगा, जिसका उद्देश्य जनभागीदारी, समानता और समावेश को बढ़ाना है। उच्च शिक्षा मूल्यांकन और नैक की की मान्यता के मानदंड को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय और कॉलेजों को नैक की संरचना को समझना चाहिए। अपनी प्रस्तुति में उन्होंने नैक के आकलन और मान्यता की पात्रता की रूपरेखा, मानदंड, मुख्य संकेतक के बारे में बताया।

तकनीकी सत्र के दौरान मदन मोहन मालवीय वि.वि,गोरखपुर के कुलपति प्रो. जे. पी. पाण्डेय ने यूपी राज्य के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के नैक मान्यता के महत्व के बारे में बात करते हुए कहा कि आई.क्यू.ए.सी प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय को नैक के मूल्यांकन के लिए पात्र बनाने में महत्वपूर्ण भागीदारी का सुझाव दिया। उन्होंने नैक मान्यता प्रक्रिया के लिए आवेदन करते समय वेबसाइट पर डेटा उपलब्धता और छात्रों की भागीदारी की आवश्यकता पर भी जोर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि सी.एस.जे.एम.यू नैक से मान्यता प्राप्त होने के पश्चात उत्तर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के लिए पथप्रदर्शक बनने जा रहा है। अंत में उन्होंने नई शिक्षा नीति 2021 के बारे में भी बताया।

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ के प्रो. शैलेंद्र सर्राफ ने अपने संबोधन में अनुमोदन और मान्यता के बीच के अंतर को समझाया। उन्होंनें कहा कि नैक के लिए वृहद दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जबकि संस्थान को इन-हाउस विशेषज्ञता के विकास और संस्थानों और साथियों के बीच और एक मजबूत इंटरकम्युनिकेशन स्थापित करते हुए ग्रेड पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

वेबिनार के समन्वयक प्रो. मुनेश कुमार, नैक संचालन समिति, सी.एस.जे.एम. विश्वविद्यालय, कानपुर और इस संगोष्ठी के संवाहक डॉ. चारू खान थी और धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. शिदंत मिश्रा और डॉ संदीप सिंह, मीडिया समन्वयक डॉ विवेक सिंह सचान, डॉ सिद्धार्थ मिश्रा, डॉ संदेश गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम समिति में डॉ प्रवीण कटियार, डॉ आलोक कुमार, डॉ अभिषेक कुमार, डॉ जितेंद्र कुमार डबराल, विजय अग्रवाल, मौजूद रहे।